* 19th Year
* Issue: 244
* 10.01.2026 (SATURDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

डिफेंस हब बनेगा लखनउ, आत्मनिर्भर भारत से बढ़ी देश की ताकत- राजनाथ सिंह

लखनऊ ०९/०१ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में अशोक लेलैंड के विनिर्माण संयंत्र का दौरा किया। इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित अपने दौरे के दौरान, उन्होंने संयंत्र में निर्मित हल्के सामरिक वाहन, मानवरहित जमीनी वाहन, बारूदी सुरंग से सुरक्षित वाहन और लॉजिस्टिक ड्रोन के उत्पादन की समीक्षा की। इस दौरे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। अपने उद्घाटन भाषण में रक्षा मंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सरकार ने एक रक्षा गलियारा स्थापित किया है। सशस्त्र बलों से संबंधित हथियार और गोला-बारूद अब लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, चित्रकूट और अलीगढ़ में निर्मित किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश पहले ही हो चुका है। बड़ी कंपनियां आ रही हैं और कारखाने स्थापित कर रही हैं।

इससे स्थानीय लोगों को भी प्रत्यक्ष लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस फैक्ट्री भी स्थापित की गई है, जिसका प्रभाव आपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा होगा। भारत अब अपने हथियार स्वयं बना रहा है। इस सामरिक सुधार में उत्तर प्रदेश लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि, उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अलग नीति बनाई है; एयरोस्पेस और रक्षा इकाई और रोजगार प्रोत्साहन नीति। इसका अर्थ है कि उत्तर प्रदेश को एक ऐसे राज्य के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां बड़े पैमाने पर सैन्य उपकरणों का निर्माण किया जाएगा।

राजनाथ ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में, जब मैं आत्मनिर्भरता की बात करता हूं, तो रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से इस दिशा में आगे बढ़ चुका है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन 46,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आज हमारा रक्षा निर्यात 25,000 करोड़ रुपये है, और 2030 तक यह बढ़कर 50,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

राज्य में औद्योगीकरण का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश, जो कभी अराजकता के लिए जाना जाता था, आज औद्योगिक विकास के कारण एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। उत्तर प्रदेश अब देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह अशोक लेलैंड इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र स्थानीय लोगों को काफी लाभ पहुंचाएगा। यह संयंत्र उत्तर प्रदेश के आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगा। इस संयंत्र का निर्माण 60 महीनों में पूरा होने का लक्ष्य था, लेकिन यह रिकॉर्ड 18 महीनों में बनकर तैयार हो गया। यहां से हर साल 2,500 इलेक्ट्रिक वाहन निकलेंगे।

सिरमौर में पहाड़ी से नीचे गिरी बस, आठ लोगों की मौत

सिरमौर ०९/०१ (संवाददाता): हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार को एक निजी बस के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को बचाव कार्य में मदद करते और बस के मलबे से घायलों को निकालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना हरिपुरधार इलाके में उस समय हुई जब बस सोलन से आ रही थी और बस सड़क से 100 से 200 फुट नीचे जा गिरी। पुलिस के मुताबिक, बस गिरने के बाद पलट गयी और दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग बचाव कार्य के लिए दौड़े व पुलिस को इसकी सूचना दी। उद्योग मंत्री व शलाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि जिला प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है और ददाहू, संगड़ाह और नाहन के अस्पतालों में चिकित्सा दल तैयार हैं।

आतंकवाद पर अब होगा डिजिटल स्ट्राईक, अमित शाह बोले-एनआईडीएमएस बनेगा देश का सुरक्षा कवच

नयी दिल्ली ०९/०१ (संवाददाता): भारत की पहली राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि यह आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी का सुरक्षा कवच बनेगी और देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण में आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा प्रणाली तीन प्रमुख तरीकों से मजबूत होगी।

शाह ने गुरुग्राम के मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में एनआईडीएमएस का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए यह बयान दिया। यह भारत की आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विरोधी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, एनएसजी के महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र

पुलिस बलों के महानिदेशक और विभिन्न राज्यों के पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे।

एनएसजी द्वारा विकसित एनआईडीएमएस एक सुरक्षित, राष्ट्रीय स्तर का डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) से संबंधित डेटा का व्यवस्थित संग्रह, संकलन और प्रसार करना है।

शाह ने अपने संबोधन में कहा, देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण के लिए एनआईडीएमएस आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके अलावा, एनआईडीएमएस आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी का सुरक्षा कवच बनेगा।

मंत्री ने बताया कि गृह मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रकार के डेटा एकत्र किए हैं, लेकिन अब तक वे अलग-अलग थे। भाजपा नेता ने कहा, अब हम इन सभी डेटा स्रोतों को आपस में जोड़ने और उनके विश्लेषण के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज एनआईडीएमएस का शुभारंभ इस प्रक्रिया को गति देगा और देश को आतंकवाद से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

भाजपा की विचारधारा सभी के लिए काम करने की सीख देती है-नितिन गडकरी

नागपुर ०९/०१ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा अपने कार्यकर्ताओं को जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी के लिए काम करना सिखाती है और पार्टी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। नागपुर में शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान गडकरी ने कहा कि यदि भाजपा-शिवसेना गठबंधन 15 जनवरी को होने वाले नागपुर महानगर पालिका चुनाव में पूर्ण बहुमत से जीतता है, तो लोगों की आकांक्षाएं और सपने पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं उम्मीदवारों के प्रदर्शन की गारंटी देते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता गडकरी ने शहर में तीन जनसभाएं कीं और पार्टी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। केंद्रीय

मंत्री ने कहा, हम मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आतंकवादियों और पाकिस्तान के खिलाफ हैं।

इस देश के लिए बलिदान देने वाले मुसलमान हमारे लिए उतने ही प्रिय हैं जितने हिंदू। कोई मस्जिद, गुरुद्वारा या बौद्ध विहार जा सकता है, लेकिन हम कहते हैं कि हमारा खून एक है, हम भारतीय हैं और सभी के लिए काम करते हैं। उन्होंने दोहराया कि भाजपा-शिवसेना गठबंधन के पूर्ण बहुमत से चुने जाने पर लोगों की सभी आशाएं, इच्छाएं और सपने पूरे होंगे। गडकरी ने कहा, मैं भाजपा उम्मीदवारों की ओर से गारंटर रहूंगा। इस दौरान उन्होंने स्वयं तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा कराई गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उत्तरी नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेता यह गलत सूचना फैला रहे हैं कि भाजपा के सत्ता में आने पर हिंसा होगी। नागपुर के सांसद ने कहा कि भाजपा की विचारधारा अपने कार्यकर्ताओं को बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए काम करना सिखाती है। गडकरी ने कहा कि वह भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं और पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखते हैं, लेकिन वह उन सभी के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं.

झारखंड में पांच साल में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 25-30 तक पहुंच जाएगी-हेमंत

रांची ०९/०१ (संवाददाता): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर 25 से 30 करने की दिशा में काम कर रही है। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में शुक्रवार को एक निजी मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच की कक्षाओं के आरंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि सरकार ऐसा तंत्र तैयार करने के लिए प्रयासरत है जिससे न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले बल्कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा, "हम अगले पांच वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर 25-30 करने की दिशा में काम कर रहे हैं।" वर्तमान में राज्य में निजी मेडिकल कॉलेज समेत लगभग 12 मेडिकल कॉलेज हैं। सोरेन ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में कई तरह की चुनौतियां हैं लेकिन चुनौतियों के बीच काम करने में उन्हें आनंद मिलता है। उन्होंने कहा, "हम स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि सरायकेला-खरसावां जैसे छोटे जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना किया जाना सराहनीय कदम है।

गणतंत्र दिवस से पहले बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए हथियार बरामद

श्रीनगर ०९/०१ (संवाददाता): जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (ढ्ढक्च) के पास सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक अग्रिम क्षेत्र से पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 16 कारतूस और एक ग्रेनेड सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार देर रात घगवाल क्षेत्र के पलोरा गांव में तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी दल को एक नाले के किनारे पीले रंग की टेप में लिपटा एक पैकेट मिला, जिसे बम निरोधक दस्ते की मदद से खोला गया। उन्होंने बताया कि पैकेट से हथियार बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक तलाश अभियान जारी था।

नड्डा ने ममता सरकार को घेरा, आयुष्मान भारत रोककर किया बंगाल के गरीबों से अन्याय

नयी दिल्ली ०९/०१ (संवाददाता): केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने में विफलताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना से वंचित रहने और कल्याणकारी कार्यक्रमों के अप्रभावी कार्यान्वयन के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो गए हैं। पश्चिम बंगाल के तंगरा में आयोजित एक डॉक्टर्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित क्रांतिकारी पहलों की सराहना भी की। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संकेतकों में ऐतिहासिक

राष्ट्रीय प्रगति के बावजूद, आयुष्मान भारत योजना से वंचित रहने और कल्याणकारी कार्यक्रमों के अप्रभावी कार्यान्वयन के कारण पश्चिम बंगाल अभी भी पिछड़ा हुआ है। नड्डा ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार की राजनीतिक बाधाओं के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के लाभों से वंचित हो गए हैं।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बंगाल की जनता इस कुशासन को नकार देगी और विकासोन्मुखी शासन का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, डॉ. शारदा मुखोपाध्याय, अन्य डॉक्टरों और पार्टी कार्यकर्ताओं सहित कई लोग मंच पर उपस्थित थे। बिधाननगर स्थित अल्टेयर बुटीक होटल में, नड्डा ने जिला अध्यक्षों, विभागीय संयोजकों और प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि टीएमसी के शासन में बंगाल घुसपैठियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

अब हाई कोर्ट में होगी सियासी जंग, तृणमूल कांग्रेस ने बताया राजनीतिक प्रतिशोध

कोलकाता ०९/०१ (संवाददाता): गुरुवार को कोलकाता में जो घटनाक्रम हुआ, उसने इसे सियासी और कानूनी दोनों लिहाज से बड़ा विवाद बना दिया है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो को मामला सौंपने की मांग की है। यह याचिका उस घटनाक्रम के बाद दाखिल की गई है, जब ईडी की टीम राजनीतिक सलाहकार संस्था इंडियन पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के दफ्तर और इसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी कर रही थी और उसी दौरान मुख्यमंत्री वहां पहुंच

गईं।गौरतलब है कि इस मामले की सुनवाई आज दोपहर 2:30 बजे कलकत्ता हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति सुव्रत घोष के समक्ष प्रस्तावित है। इसी के साथ ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी एक अलग याचिका दाखिल की गई है, जिसमें आई-पैक से जुड़े परिसरों से कथित तौर पर पार्टी से संबंधित दस्तावेज जब्त किए जाने पर आपत्ति जताई गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, आई-पैक 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से तृणमूल कांग्रेस के साथ काम कर रही है।ईडी का कहना है कि यह तलाशी 2020 में दर्ज एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी जांच का हिस्सा थी, जो कारोबारी अनूप माजी के खिलाफ चल रही है। एजेंसी के अनुसार, माजी कथित तौर पर कोयला तस्करी के एक नेटवर्क का संचालन कर रहा था, जिसमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स के लीज क्षेत्रों से अवैध खनन कर कोयला विभिन्न फैक्ट्रियों में बेचा जाता था। ईडी का दावा है कि इस नेटवर्क से जुड़े हवाला ऑपरेटरों के जरिए करोड़ों रुपये की लेनदेन आई-पैक तक पहुंची।एजेंसी ने आरोप लगाया है कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री के पहुंचने से जांच में बाधा उत्पन्न हुई और कुछ दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य वहां से हटा लिए गए। ईडी का यह भी कहना है कि उसके अधिकारियों को कथित तौर पर रोका गया, उन्हें बाहर निकलने से भी रोका गया और वैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन में हस्तक्षेप किया गया। इसी आधार पर ईडी ने कोर्ट से आग्रह किया है कि ममता बनर्जी, राज्य पुलिस के अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की जांच के लिए सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए।

वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है और आशंका जताई है कि पार्टी से जुड़े संवेदनशील दस्तावेजों का दुरुपयोग किया जा सकता है। अब सभी की निगाहें हाईकोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि जांच एजेंसियों और राज्य सरकार के बीच टकराव किस दिशा में आगे बढ़ता है।

विविध समाचार

भारत ने यूएस और चीन को लेकर अपनाया सख्त रुख, अमेरिकी नेताओं की झूठ किए उजागर

नयी दिल्ली ०९/०१ (संवाददाता): भारतीय विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक साथ कई मोर्चों पर भारत का स्पष्ट और सज़्त रुख सामने रखा। अमेरिका के साथ व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, चीन पाकिस्तान गठजोड़, बांग्लादेश में अल्पसंज़्यकों पर हमले, वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाएं और कूटनीतिक मर्यादा जैसे मुद्दों पर भारत ने न केवल तथ्य रखे बल्कि संदेश भी दिया कि दबाव और दुष्प्रचार से हमारी नीति नहीं बदलेगी।

अमेरिकी कांग्रेस में भारत को 500 प्रतिशत शुल्क से दंडित करने वाले विधेयक पर विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को वैश्विक बाजार की स्थितियों के अनुसार विविध स्रोतों से पूरा करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी एक देश या दबाव के कारण भारत अपनी जनता के हितों से समझौता नहीं करेगा।

भारत अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से आये हालिया बयानों को गलत करार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले वर्ष फरवरी से भारत और अमेरिका एक संतुलित और पारस्परिक लाभ वाले समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और कई बार सहमति के करीब भी पहुंचे हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 2025 में आठ बार फोन पर बातचीत हुई है।

देखा जाये तो यह तथ्य उन दावों को खारिज करता है जिनमें कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच संवाद नहीं है। विदेश मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि दोनों नेताओं के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं और कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप

परस्पर सज़्मान पर आधारित हैं।

साथ ही चीन की आक्रामक गतिविधियों पर भी भारत ने बेहद सज़्त भाषा में प्रतिक्रिया दी है। हम आपको बता दें कि शज़्सगाम घाटी में चीन द्वारा सीपेक के तहत बुनियादी ढांचे के निर्माण को भारत ने अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि 1963 का तथाकथित चीन पाकिस्तान सीमा समझौता अवैध और अमान्य है। उन्होंने कहा कि जज़्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि चीन को बार बार चेताया गया है कि वह जमीनी हकीकत बदलने की कोशिश न करे। साथ ही चीन से कहा गया है कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इसके अलावा, बांग्लादेश में अल्पसंज़्यकों पर हमलों के मुद्दे पर भारत ने वहां की सरकार के इंकार को खतरनाक प्रवृज़्ति बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह का इंकार अपराधियों का मनोबल बढ़ाता है और यह जमीनी सच्चाई से मुंह मोड़ने के बराबर है। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की टिप्पणियों पर विदेश मंत्रालय ने संयमित लेकिन कड़ा संदेश देते हुए कहा कि किसी भी लोकतंत्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सज़्मान किया जाना चाहिए। सिंधु जल संधि पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह फिलहाल स्थगन की स्थिति में है।

साथ ही कई वैश्विक संस्थाओं से अमेरिका के बाहर चले जाने पर भारत ने कहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान परामर्श और सहयोग से ही संभव है। इसी क्रम में उन्होंने यह भी बताया कि जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज 12 और 13 जनवरी को भारत यात्रा पर आ रहे हैं और अहमदाबाद में द्विपक्षीय वार्ता होगी जिसमें सभी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

देखा जाये तो विदेश मंत्रालय की यह ब्रीफिंग दरअसल भारत की बदलती कूटनीतिक मुद्रा का आईना है। भारत न तो दबाव में आता है और न ही अस्पष्ट भाषा में जवाब देता है। अमेरिका हो या चीन, भारत साफ शज़्दों में अपनी प्राथमिकताएं और सीमाएं तय कर रहा है। 500 प्रतिशत शुल्क की धमकी हो या रूसी तेल पर उपदेश, भारत का जवाब एक ही है कि ऊर्जा सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। वहीं चीन के मामले में बयान केवल प्रतिक्रिया नहीं बल्कि चेतावनी है।

शज़्सगाम घाटी और सीपेक का मुद्दा यह दिखाता है कि भारत अब हर मंच पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की बात मुखरता से रखता है। यह रुख उस दौर से अलग है जब ऐसे मुद्दों को टालने की कोशिश होती थी। इसके अलावा, अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर तथ्य रखकर भारत ने यह भी दिखाया कि दुष्प्रचार का जवाब आंकड़ों और संवाद से दिया जा सकता है। मोदी और ट्रंप के आठ संवाद यह साबित करते हैं कि ऐसे लोगों के दावे गलत हैं जो कहते हैं कि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया इसलिए भारत और अमेरिका व्यापार वार्ता पटरी से उतर गयी।

ईडी रेड पर दिल्ली से लेकर बंगाल में बवाल

कोलकाता ०९/०१ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य की राजधानी कोलकाता में आई-पीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कार्यालयों पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई तलाशी के खिलाफ विरोध मार्च का नेतृत्व किया। टीएमसी सांसदों की हिरासत के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। शुक्रवार दोपहर करीब 2=30 बजे जैसे ही जस्टिस शुभ्रा घोष की बेंच में सुनवाई शुरू होने वाली थी, वहां वकीलों और इंटरर्न की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति यह थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी।

जस्टिस घोष ने भीड़ को देखते हुए उन वकीलों और इंटरर्न को बाहर जाने को कहा जो इस केस से नहीं जुड़े थे। उन्होंने 5 मिनट का समय दिया और चेतावनी दी कि अगर भीड़ कम नहीं हुई, तो वह सुनवाई नहीं करेंगी।

इससे पहले, आईपीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के कोलकाता स्थित आवास पर ईडी की छापेमारी के विरोध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी सांसदों महुआ मोइत्रा, डेरेक ओ%ब्रायन और अन्य को हिरासत में लिए जाने के बाद ममता बनर्जी ने केंद्र और भाजपा पर जमकर हमला बोला। बनर्जी ने कहा कि सांसदों के साथ किया गया व्यवहार वर्दी में अहंकार था। पश्चिम बंगाल के मुज़्यमंत्री ने एज़्स पर लिखा कि मैं अपने सांसदों के साथ किए गए शर्मनाक और अस्वीकार्य व्यवहार की कड़ी निंदा करता हूं। गृह मंत्री के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों को सड़कों पर घसीटना कानून प्रवर्तन नहीं है - यह वर्दी में अहंकार है। यह लोकतंत्र है, भाजपा की निजी संपज़्ि नहीं।

ऐसा लगता है जैसे हम पाकिस्तान में रह रहे हैं...पंजाब के विधायक ने अपने ही सरकार पर उठा दिए सवाल

नयी दिल्ली ०९/०१ (संवाददाता): धर्मकोट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक देवेंदरजीत सिंह लाडी ढोस ने विधानसभा में अपनी ही सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले तीन सालों में उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए घोषित स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं की कमी के कारण ऐसा हुआ है। वे अपनी बात खुलकर कहने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें पंजाब के मुज़्यमंत्री भगवंत मान का करीबी सहयोगी भी माना जाता है। मान सरकार के लिए बड़ी शर्मिंदगी की बात यह है कि ढोस अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक ट्रॉमा सेंटर की मांग कर रहे हैं, जिसमें एक प्राथमिक और एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। उन्होंने सदन में कहा कि यह भेदभाव ज़्यों? ज़्या मोगा (जिला) पंजाब का हिस्सा नहीं है? ऐसा लगता है कि हम पाकिस्तान में रह रहे हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के पूर्व सदस्य कुलदीप सिंह ढोस के बेटे देवेंदरजीत ढोस पंजाब विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान छात्र परिषद में सक्रिय थे। उन्होंने 2011 में मनप्रीत सिंह बादल के नेतृत्व वाली पीपुल्स पार्टी ऑफ पंजाब (पीपीपी) से अपने पिता के साथ जुड़कर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। यहीं पर उनकी मुलाकात मान से हुई, जो उस समय पीपीपी के सदस्य थे। ढोस पीपीपी की युवा शाखा के उपाध्यक्ष भी रहे और मार्च 2014 में मान के पार्टी छोड़कर आप में शामिल होने के बाद वे इसके अध्यक्ष बन गए।2021 में धोस मान (तत्कालीन संगरूर सांसद) की मौजूदगी में ृक्क में शामिल हो गए और 2022 के विधानसभा चुनावों में धर्मकोट से सफलतापूर्वक चुनावी शुरुआत की, उन्होंने कांग्रेस के सुखजीत सिंह काका लोहगढ़ को 29,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया, जबकि शिरोमणि अकाली दल (ग्रंष्ठ) के पूर्व मंत्री तोता सिंह तीसरे स्थान पर रहे। अज़्सर मान की भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिए प्रशंसा करते हुए देखे जाने वाले धोस ने चुनाव जीतने के तुरंत बाद कहा कि वह अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार को खत्म करने, किसानों की बेहतरी के लिए और रेत माफिया को खत्म करने की दिशा में काम करेंगे। मान सरकार के लिए बड़ी शर्मिंदगी की बात यह है कि ढोस अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक ट्रॉमा सेंटर की मांग कर रहे हैं, जिसमें एक प्राथमिक और एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। उन्होंने सदन में कहा कि यह भेदभाव ज़्यों? ज़्या मोगा (जिला) पंजाब का हिस्सा नहीं है? ऐसा लगता है कि हम पाकिस्तान में रह रहे हैं।

बिहार में हाई अलर्ट, पटना समेत कई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना ०९/०१ (संवाददाता):बिहार की न्याय व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राजधानी पटना समेत राज्य के कई जिलों के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा ईमेल के जरिए भेजी गई इस धमकी में कोर्ट परिसरों में आरडीएज़्स (ऋष्ठङ्ग) और आईईडी (ढ्ढश्वष्ठ) प्लांट करने का दावा किया गया है। धमकी मिलने के तुरंत बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटना, दानापुर, गया और किशनगंज कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया है।

राजधानी पटना के सिविल कोर्ट में जैसे ही बम की सूचना मिली, वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। जिला जज ने तत्काल प्रभाव से एक आदेश जारी करते हुए डीबीए के सभी सदस्यों, वकीलों और वादी-प्रतिवादियों को कोर्ट परिसर खाली करने का निर्देश दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि ईमेल के जरिए तीन आरडीएज़्स-आईईडी के माध्यम से कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच गई है और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। इसी तरह दानापुर व्यवहार न्यायालय को भी खाली कराया गया है, जिससे अदालती कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।

उधर, गया सिविल कोर्ट (गयाजी) और किशनगंज सिविल कोर्ट को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं। गया में जिला जज के सरकारी मेल पर धमकी मिलने के बाद डीएम और एसएसपी खुद मौके पर पहुंचे और सुरक्षा का जायजा लिया। वहां भी पूरा परिसर खाली कराकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

किशनगंज में भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। एसपी सागर कुमार ने जानकारी दी है कि प्रारंभिक जांच में धमकी भरा यह ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया प्रतीत हो रहा है।

पुलिस की विशेष टीमें कोर्ट भवन के हर कोने की बारीकी से तलाशी ले रही हैं और सुरक्षा बढ़ा दी गई है, हालांकि अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। एक साथ राज्य के कई प्रमुख न्यायालयों को निशाना बनाने की इस घटना को पुलिस गंभीरता से ले रही है और साइबर सेल की मदद से ईमेल भेजने वाले का पता लगाया जा रहा है।

वीरता-राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं, राणा सांगा मामले में अखिलेश यादव ने लिया यू-टर्न

लखनऊ ०९/०१ (संवाददाता):मेवाड़ के सबसे बड़े महराणा, एक ऐसे व्यक्ति जो शासक के तौर पर हिंदपथ कहलाए। एक हिंदू महान राष्ट्र बनाने में जो उन्होंने सफलता हासिल की थी उसकी गाथाएं लिखी जाती हैं। 80 चोटों का जिक्र होता है। एक हाथ के कटने का और एक हाथ के जाने का फिर भी युद्ध के मैदान में मुगलों को भगाने का श्रेय उन्हें जाता है।लेकिन समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के आपज़्जिनक बयान के बाद सियासी पारा हाई हो गया है। विवाद बढ़ता देख अब सपा मुखिया की तरफ से भी इसपर बयान आ गया है। राणा सांगा मामले में अखिलेश यादव ने विवाद बढ़ने के बाद अब यू-टर्न ले लिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि राणा सांगा की वीरता राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं है। अखिलेश ने कहा कि इतिहास पुरुष का अपमान करना उद्देश्य नहीं है।

समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया है कि राजपूत शासक राणा सांगा ने मुगल बादशाह बाबर को इब्राहिम लोदी के खिलाफ लड़ने के लिए भारत आमंत्रित किया था। इस बयान को हिंदुओं और राजपूत समुदाय का अपमान माना जा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने पार्टी सदस्य का बचाव किया है, जबकि आलोचक उनसे माफ़ी की मांग कर रहे हैं। सांसद का कहना है कि भारतीय मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानते।

राणा सांगा पर दिए बयान के बाद सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ क्षत्रिय समाज का गुस्सा बुधवार फूट पड़ा। सैकड़ों की संज़्या में आई भीड़ ने उनके घर पर हमला कर दिया। बाहर खड़ी तमाम गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए दृश्यों में पुलिसकर्मियों की एक छोटी सेना दक्षिणपंथी भीड़ को रोकने के लिए संघर्ष करती हुई दिखाई दे रही थी, जिनमें से कुछ नारे लगाते हुए भगवा झंडे और लाठियाँ लहरा रहे थे।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भ्रामक विज्ञापन संबंधित शिकायत निस्तारण के लिए तंत्र बनाएं- न्यायालय

नयी दिल्ली ०९/०१ (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उन भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया, जो ''समाज को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं''। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि राज्य सरकारों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे आम जनता औषधि एवं जादुई उपचार अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित आपज़्जिनक विज्ञापनों के बारे में शिकायत दर्ज करा सके। पीठ ने कहा, ''हम राज्य सरकारों को आज से दो महीने की अवधि के भीतर उचित शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने और नियमित अंतराल पर इसकी मौजूदगी का पर्याप्त प्रचार करने का निर्देश देते हैं।''शीर्ष अदालत ने राज्यों को 1954 के अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के संबंध में पुलिस तंत्र को संवेदनशील बनाने का निर्देश दिया। भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाते हुए उच्चतम न्यायालय ने 7 मई, 2024 को निर्देश दिया था कि किसी भी विज्ञापन को जारी करने की अनुमति देने से पहले, केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 की तर्ज पर विज्ञापनदाताओं से स्व-घोषणा प्राप्त की जाए।ऐसे विज्ञापनों का मुद्दा तब उठा था जब शीर्ष अदालत 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पतंजलि और योग गुरु रामदेव पर कोविड रोधी टीकाकरण अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया था।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

आलसी लोगों के लिए फायदेमंद हैं ये एक्सरसाइज

सेहत

कुर्सी पर बैठकर लगाइए क्रंचेज

अगर आप इतने आलसी हैं कि कुर्सी पर बैठकर पैरों की एक्सरसाइज भी नहीं करना चाहते तो हमारे पास आपके लिए भी एक खास व्यायाम है। कुर्सी पर बैठ जाइए और अपने पैरों से जमीन पर दबाव दीजिए। इससे आपके पैरों की मांसपेशियों का व्यायाम हो सकेगा। साथ ही आप कुर्सी पर बैठकर क्रंचेज भी लगा सकते हैं, जो आपका पेट कम करने में मदद करेगी।

चलते हुए फोन पर कीजिए बात

दिनभर की व्यस्तता के बीच फोन पर बात करना ही वह वक्त होता है जब हम असल में अपने पैरों पर खड़े होते हैं। अगली बार जब भी फोन आए तो बात करते हुए घूमने की आदत डालें। यह आदत आपके शरीर की अतिरिक्त कैलोरीज खर्च करेगा।

रोज पांच से दस किलोमीटर कौन भागना चाहता है? लेकिन आप अपना कोई भी पसंदीदा गाना लगाकर उस दौरान तो दौड़ लगा ही सकते हैं। 4- 5 मिनिट की यह दौड़ आपके शरीर को तो स्वस्थ्य रखेगी साथ ही गाना आपका मूड भी रिफ्रेश कर देगा।

शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। इस सलाह को ध्यान में रखते हुए हम सभी नियमित व्यायाम की योजना तो बनाते हैं, लेकिन 1-2 दिन व्यायाम करने के बाद आलस की वजह से पूरी योजना धरी की धरी रह जाती है। दुख की बात है कि अगर लंबे समय तक आलसी रहा जाए, तो कम उम्र में ही दिल की बीमारी हो सकती है। अगर हम आपको कहें कि कुछ एक्सरसाइज ऐसी हैं जिन्हें करते हुए आप आलसी होने के बावजूद स्वस्थ्य रह सकते हैं। जी हां, इन एक्सरसाइज को कीजिए और रहिए आलसी और साथ ही फिट भी।

बॉल पर बैठना

किसी कुर्सी पर बैठने की बजाए मेडिसिन बॉल पर बैठना शुरू कीजिए। चूंकि आपको बॉल पर बैठे हुए खुद को संतुलित करने के लिए प्रयास करने होंगे, इसलिए यह एक अच्छी कसरत हो जाती है। शुरू में यह कुछ कठिन लग सकता है, परंतु धीरे- धीरे शरीर को इसकी आदत हो जाती है। दिनभर कुर्सी पर बैठकर कंप्यूटर पर काम करने वालों के लिए यह अच्छी एक्सरसाइज साबित हो सकती है।

कुर्सी पर बैठकर पैरों की एक्सरसाइज

कुर्सी पर आराम से बैठकर एक-एक करके अपने दोनों पैरों को उठाकर व्यायाम कर सकते हैं। इस कुर्सी पर बैठे हुए भी आप स्वस्थ्य और मजबूत जांघें हासिल कर सकते हैं।

दीवार से सटकर बैठना

इस व्यायाम को करने के लिए दीवार से सटकर खड़े हो जाइए और धीरे- धीरे घुटनों को मोड़ते हुए नीचे जाइए तब तक जब तक कि 90 डिग्री का कोण न बन जाए। कुछ देर इसी पोजिशन में रहकर पुनः यह व्यायाम दोहरा सकते हैं।

बिस्तर पर लगाइए पुशअप और सिटअप

हम सभी पुशअप करना चाहते हैं मगर अपने बिस्तर से उठना नहीं चाहते। कोई बात नहीं, हम बिस्तर पर भी यह व्यायाम कर सकते हैं। चूंकि बिस्तर काफी नर्म होता है, इसलिए पुशअप लगाते हुए खुद को संतुलित रखना काफी सरल हो जाता है।

रिश्ते

कामवाली की छुट्टी और मालकिन की सख्ती, दोनों कम हों तो अच्छे रहेंगे रिश्ते

फेस्टिवल सीजन में हर घर में मेहमान और उनकी वजह से काम में बढ़ोतरी हो जाती है। घर के मालिक नौकरों पर पूरी तरह से निर्भर हो जाते हैं, ऐसे में अगर पता चले कि घर की काम वाली या नौकर एक बार फिर से गोल मार गए या नहीं आए तो पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है। वहीं दूसरी ओर नौकर भी तीज- त्योहार अपने परिवार वालों के साथ मनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में दोनों के बीच कभी-कभी तनाव पैदा होने लगता है। मालिक नौकर के रिश्ते की शुरुआत तो काम और पैसों को लेकर ही होती है। नौकर पैसे के लिए काम करता है और समय पूरा होते ही वह अपने पैसे चाहता है। वहीं एक मालिक पूरे समय इस बात को लेकर फिक्रमंद रहता है, कि नौकर अपने काम में रत्तीभर भी लापरवाही न बरते। नौकर जब फुलटाइम हो तो वह घर के एक सदस्य की तरह होता है और घर में होने वाली किसी भी बात की जानकारी उसे पूरी तरह से होती है।

ईमानदारी और समपर्ण

अगर घर में कई नौकर हों तो उन्हें चाहिए कि वह एक-दूसरे पर काम को ढकेलते न रहें। वहीं मालिक का सगा बनने के चक्कर में एक-दूसरे की बेवजह शिकायत कर बदनाम करने की कोशिश न करें। अक्सर मालिक नौकरों को इस बात की छूट देते हैं कि वह आपस में काम बांट लें। वह सिर्फ इतना चाहते हैं कि कोई काम छूटे या बिगड़े नहीं। नौकरों को इस बात को समझना चाहिए कि दूसरे नौकर को सहूलियत इसलिए दी गई है कि ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो, जिसे सकारात्मक समझते हुए काम करें।

सबसे जरूरी है एक-दूसरे का आदर और सम्मान

नौकर ऐसा व्यक्ति है जो आपके घर के किसी भी हिस्से में बेरोक टोक आ-जा सकता है। ऐसे में सबसे जरूरी है दोनों तरफ से ऐसी कोशिश जिससे किसी का भी भरोसा न टूटे। इसके लिए कुछ बातें बहुत जरूरी हैं- 1. नौकर के साथ पूरी तरह से कम्यूनिकेशन रखा जाए।

2. मालिक किस तरह का काम चाहता है वह नौकर को पहले ही बता दें और नौकर उसका गंभीरतापूर्वक ध्यान रखे। 3. नौकर द्वारा दिए गए सुझावों पर भी पारिवारिक सदस्य की तरह ध्यान दिया जाए। उन्हें तनख्वाह समय पर दें। 4. अगर मालिक उससे ज्यादा काम ले रहा है, तो आर्थिक रूप से उसकी भरपाई करें। 5. छुट्टी तथा सुविधाओं को लेकर आनाकानी न हो। 6. रिश्ते सिर्फ पैसों तक ही सीमित न हों, आपसी संवेदना, मानवता और सूझबूझ भी शामिल हो।

मैडम ध्यान रखें

1. कामवाली को रखते समय ही अपनी पसंद और नापसंद के बारे में बता दें।
2. हर किसी का काम करने का अपना तरीका होता है, कामवाली को बार–बार टोकें नहीं।
3. मेड भी एक इंसान है। समस्याएं उसे परेशान कर सकती हैं, इस बात का ध्यान रखें।
4. दफ्तर में साप्ताहिक अवकाश मिलता ही है, जबकि नौकर सप्ताह में सातों दिन सेवा देते हैं, इसलिए उन्हें आर्थिक क्षति न पहुंचाएं।

मेड ध्यान रखें

1. आपको काम पर मालिक ने जरूरत के हिसाब से रखा है। इसलिए ऐसा कोई काम न करें जो उनकी पसंद का न हो।
2. किसी दिन छुट्टी लेनी हो तो इस बारे में मालिक को बता दें ताकि वह अपने लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें।
3. आप फुलटाइम नौकर हो तो ध्यान रखें कि किस तरह के लोगों से आपके संबंध हैं या किन्हें घर बुला रहे हैं इसकी पड़ताल करना जरूरी है।

सर्दियों में ऐसे रखें ड्राई स्किन का ख्याल

स्वास्थ्य टिप्स

बदलता मौसम आपकी स्किन के लिए कई परेशानियां लेकर आता है। सर्दी के मौसम में त्वचा को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में त्वचा को कोमल बनाए रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यहां जानिए स्किन का ख्याल रखने के कुछ टिप्स

कारगर टिप्स

सबसे पहले ये जानना बेहद जरूरी है कि सर्दियों में देर तक नहाने से बचें। साथ ही हो सके तो साबुन की जगह मॉयश्चराइजिंग क्लींजर का प्रयोग करें। स्क्रब का प्रयोग न करें इससे त्वचा खुरदुरी हो जाती है।

नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। साथ ही 10 मिनट से ज्यादा गर्म पानी में न रहें।

साबुन की जगह मॉस्चराइजिंग क्लीजर का प्रयोग करें। ये त्वचा को रूखा होने से बचाता है और बाकी डैमेज से बचाता है।

लैंडस्केपिंग आर्किटेक्चर में है शानदार करियर

करियर टिप्स

आज के समय में इमर्जिंग करियर ऑप्शन में से एक है लैंडस्केपिंग आर्किटेक्चर। अगर आप बिल्डिंग निर्माण के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो लैंडस्केपिंग आर्किटेक्चर आपके करियर के लिए बेहतर विकल्प होगा। इस क्षेत्र में बहुत से करियर ऑप्शन उभर कर आ रहे हैं। आज के चलन की बात करें तो बिल्डिंगों के इंटीरियर डिजाइन पर जितना ध्यान दिया जाता है उतना ही बिल्डिंग के आस-पास के आर्किटेक्चर पर भी दिया जाता है।

लैंडस्केपिंग आर्किटेक्चर में बिल्डिंग के आउटडोर पब्लिक एरिया को प्राकृतिक रूप से डिजाइन किया जाता है, जिसमें वाटर बॉडी, स्टोन, टाइल्स, पेड़-पौधे को आकर्षक बनाया जाता है।

क्या हैं कोर्सेस: इस कोर्स को करने के लिए साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी है। जिसके बाद आप इस विषय में ग्रेजुएशन तथा पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। लैंडस्केपिंग कोर्स से जुड़े अन्य कोर्सेज बीआर्क, बीएससी, एग्रीकल्चर में भी एडमिशन ले सकते हैं।

कहां मिलेंगे अवसर: इस क्षेत्र में निजी सेक्टरों में ज्यादा जॉब की संभावना रहती है। इस क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन कंपनियों, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म कंपनियों, फर्म्स में रोजगार पाने के भरपूर मौके हैं।

एंड्रॉयड स्मार्टफोन में बैटरी लाइफ बढ़ाने वाली टॉप 5 फ्री एप्लीकेशन

एंड्रॉयड बाजार में इस समय ढेरों ऐसी एप्लीकेशन मौजूद जो एंड्रॉयड फोन के एक्सपीरियंस को और बढ़ा देगी। लेकिन एप्लीकेशन कोई भी हो एंड्रॉयड फोन में इसे यूज़ करने में काफी बैटरी बैकप खर्च होता है। लेकिन हिन्दी गिजबोट आज आपके लिए 5 ऐसी एप्लीकेशन लाएं हैं जो आपके एंड्रॉयड फोन की बैटरी लाइफऔर बढ़ा देंगी।

तकनीक

ईजी बैटरी सेवर : – ईजी बैटरी सेवर एंड्रॉयड स्मार्टफोन की पॉपुलर एप्लीकेशन है जिसकी मदद से आप अपने फोन की ब्राइटनेस, स्क्रीन टाइम आउट के अलावा नेटवर्क कनेक्टीविटी जैसे कई ऑप्शन मैनेज कर सकते हैं। एप्लीकेशन में 9 तरह के सुपर पॉवर मोड दिए गए हैं। जिनकी मदद से यूजर फोन में अलग अलग मोड सलेक्ट कर सकता है।

जूस डिफेंडर बैटरी सेवर : जूस डिफेंडर एप्लीकेशन में वाईफाई, 3जी और 4जी सर्विस प्रयोग करने के दौरान होने वाले पॉवर को एडजस्ट किया जा सकता है। इसके अलावा यूजर एप्लीकेशन की मदद से अपने मोबाइल डेटा को आसानी से मैनेज कर सकता है। एप्प में 5 तरह के अलग अलग मोड दिए गए हैं। इसके साथ एप्प की मदद से आप फोन की ब्राइटनेस और दूसरे फीचर भी एडिट कर सकते हैं।

बैटरी डॉ. सेवर: – बैटरी डॉ में फोन की बैटरी लाइफ बढ़ाने के लिए कई तरह के ऑप्शन दिए गए हैं। जिससे आपका फोन और स्मूद वर्क करेगा। इसकी मदद से आप अपने फोन में वाईफाई और ब्लू टूथ के दौरान खर्च होने वाले पॉवर को एडजस्ट कर सकते हैं।

ग्रीन पॉवर फ्री बैटरी सेवर:- ये एक दूसरी एप्लीकेशन है जिसकी मदद से आप अपने एंड्रॉयड फोन के बैटरी बैकअप को बढ़ा सकते हैं। एप्लीकेशन में ऑटो और मैन्युअल दो तरह के मोड दिए गए हैं। जिससे आप अपने फोन की स्क्रीन और दूसरे फीचरों को एडजस्ट कर सकते हैं।

बैटरी बूस्टर:- बैटरी बूस्टर एप्लीकेशन की मदद से आप अपने फोन का रनिंग टाइम बढ़ा सकते हैं। एप्प में कई तरह के टूल दिए गए हैं। जिससे आप अपने फोन के पूरे बैटरी पॉवर को एडजस्ट कर सकते हैं। एप्प की मदद से अगर आपका बैटरी पॉवर कहीं दूसरी जगह वेस्ट यानी बर्बाद हो रहा है तो उसे सेव कर सकते हैं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 10 जनवरी 2026

राहुल-खड़गे को सावधान होने की जरूरत

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 साल पूरे किए। एक संगठन, एक राजनैतिक दल के तौर पर तमाम उतार-चढ़ावों के बीच इतना लंबा सफर तय करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। जिसमें वक्त के अनुसार तरीके बदलते रहे। कांग्रेस के भीतर अलग विचारधाराएं पनपीं, जिनके कारण कई बार पार्टी में टूट हुई। कांग्रेस से निकले लोगों ने अपने नए दल बनाए, कभी उन दलों का कांग्रेस में विलय हुआ, कभी वे साथ चलते रहे। कांग्रेस ने कई बार भितरघात भी सहे। लेकिन इन सबके बीच कभी भी अपनी मूल विचारधारा को नहीं छोड़ा, जो असल में भारत की उदार और समावेशी संस्कृति से निकली है। जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है। स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं, कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है। इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आह्वान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है कि सत्ता रहे न रहे लेकिन रीढ़ सीधी होनी चाहिए यानी आत्मस मान बना रहना चाहिए, जिसमें कांग्रेस अब तक सफल रही है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मु यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 27 दिसंबर को लालकृष्ण आडवानी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ की, कि जमीन पर बैठने वाला एक कार्यकर्ता भी मु यमंत्री और प्रधानमंत्री बन गया। इस तस्वीर में आडवानी सोफे पर बैठे हैं और नरेन्द्र मोदी जमीन पर। दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर सवाल उठने लगे कि क्या श्री सिंह अब भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं या ये राज्यसभा में फिर से आने की भूमिका बांधी गई है। दिग्विजय सिंह ने क्या राहुल गांधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के रसूख पर हमला बोला है, ये कयास भी लगे। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन किया है और कहा %%जी हां मैं भी यही चाहता हूं कि पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाए%%। हमारा 140 साल का इतिहास है, और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। सब जानते हैं कि कांग्रेस में जहां अध्यक्ष का बाकायदा चुनाव होता है, वहीं भाजपा में अंदरूनी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। वहां पहले से टू मच डेमोक्रेसी की पहचान करते हुए एक किस्म की तानाशाही बनी हुई है। पार्टी का संविधान कुछ भी कहे, भाजपा में आज की तारीख में वही होता है, जो नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तय करते हैं।

पूर्वोत्तर भारत पर बांग्लादेश की धमकी-खोखली धमकियां, या कुछ और?

आशीष विश्वास

प्रधानमंत्री के तौर पर, हसीना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खुद को अलग-थलग करने के अलावा, बांग्लादेश के अंदर आम लोगों के बीच बढ़ते अलगाव को बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। उन्होंने हिफाजत-ए-इस्लाम (एचआई) जैसे नए उभरते हुए संगठनों को बढ़ावा दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने बीएनपी को हराने के लिए एक छड़ी की तरह किया!

बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा भारत के पूर्वोत्तर इलाके के सात बहनी राज्यों को छीनने का नारा नई दिल्ली के लिए कितना गंभीर है? भारत के लिए इससे जो राजनीतिक चुनौती खड़ी होती है, उसका सही अंदाज़ा लगाने के लिए, इसकी पृष्ठभूमि की जानकारी का थोड़ा अध्ययनआवश्यक है।

बांग्लादेश ने शेख हसीना के प्रधानमंत्री के तौर पर 2019-24 के कार्यकाल के आखिर में पाकिस्तान के साथ पुराने रिश्ते फिर से बनाने की कोशिश की। इस बीच, इस्लामाबाद में सत्ताधारी सरकार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अपने कमज़ोर गुप्तचर नेटवर्क को बढ़ा रही थी। एक तरह से, पाकिस्तान की पहले से ही पूर्वोत्तर इलाके के पास पकड़ थी। उसकी ताकतवर गुप्तचर संस्था, आईएसआई, ने नेपाल में अपनी मज़बूत मौजूदगी बना ली थी। वहीं पर 1999 में इंडियन एयरलाइंस के एक हवाई जहाज को हाईजैक करने की सोची थी और उसे अंजाम दिया गया था। बांग्लादेश ने तुर्की के साथ अपने राजनयिक रिश्ते भी बेहतर किए थे, जो कश्मीर पर भारत के साथ अपने विवाद में पाकिस्तान का लगातार समर्थक रहा है। अंकारा और ढाका के बीच रिश्ते करीबी थे, क्योंकि दौरे पर आए तुर्की के प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों ने बांग्लादेश में हथियार बनाने के केन्द्र बनाने का सुझाव दिया था।

इस बीच, अपने बांग्लादेश में सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) अपने कथित भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन के खराब रिकॉर्ड की वजह से अपनी ज़मीन खो रही थी, जिससे पश्चिम उससे अलग-थलग पड़ गया था। अवामी लीग को भारत को छोड़कर, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कम समर्थन मिला। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) वगैरह जैसी विरोधी ताकतों के आंदोलन और ज़्यादा जोरदार होते जा रहे थे, जिससे उन्हें और समर्थन मिल रहा था।

प्रधानमंत्री के तौर पर, हसीना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खुद को अलग-थलग करने के अलावा, बांग्लादेश के अंदर आम लोगों के बीच बढ़ते अलगाव को बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। उन्होंने हिफाजत-ए-इस्लाम (एचआई) जैसे नए उभरते हुए संगठनों को बढ़ावा दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने बीएनपी को हराने के लिए एक छड़ी की तरह किया! उसमें भारत में अकाली दल को दबाए रखने के लिए जे.एस. भिंडरावाले के उग्रवादी सिखों का समर्थन करने के लिए दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की झलक थी !साफ़ है, सुश्री हसीना ने श्रीमती गांधी की दुखद मौत में छिपे कड़वे राजनीतिक संदेश को गलत समझा- राजनीतिक कट्टरता के साथ खिलवाड़ करने की अदूरदर्शी नीति धर्मनिरपेक्ष सत्ताधारी पार्टियों के लिए लंबे समय तक काम नहीं आई।

बांग्लादेश में पहले से ही संकेत बुरे थे- शेख हसीना और अवामी लीग के लिए, 5 अगस्त, 2025 से बहुत पहले से। हिफ़ाज़त समर्थक तत्वों ने अवामी लीग सरकार को प्रमुख जगहों से धर्मनिरपेक्ष थीम पर बनी सार्वजनिक मूर्तियों और दीवारों पर बनी पेंटिंग हटाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने न्यायपालिका पर दबाव डाला। वे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र कार्यकर्ताओं के बीच बड़े पैमाने पर फैले हुए थे, जिससे अवामी लीग से जुड़ी छात्र लीग के लिए खतरा पैदा हो गया।एचआईऔर जेईआईके कट्टरपंथी युवाओं ने 2021 में ही बांग्लादेश में अपने नए हासिल किए गए दबदबे का संकेत दे दिया था। उन्होंने लगातार दो दिनों तक बहुत ज़्यादा हिंसक भारत विरोधी प्रदर्शन किया, जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तय प्रोग्राम कम करने पड़े। जहां तक अवामी लीग की बात है, तो जिन्न बोतल से बाहर निकल चुका था। भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश पुलिस, उसकी रैपिड एक्शन बटालियन या बीजीबीगार्ड्स की लाचारी को सामने ला दिया था। इसके अलावा, उन्होंने भारत सरकार को भी अपने बढ़ते दबदबे के बारे में बताया। हैरानी की बात है कि ढाका में भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को जो सार्वजनिक तौर पर बुरा-भला कहा गया, उस पर भारत सरकार की तरफ से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं आयी।

बांग्लादेशी विश्लेषकों ने बताया कि ढाका और जिलों में उभरते युवा नेताओं से मिलने वाले पाकिस्तानी एजंटों ने खुलेआम अपना काम बहुत अच्छे से किया। बांग्लादेश में भारत के पूरे दबदबे को पहली बार चुनौती दी गई थी और नई दिल्ली कुछ खास नहीं कर सकी।

पीछे मुड़कर देखें तो, ढाका और नई दिल्ली दोनों जगह के नीति बनाने वालों को बांग्लादेशी युवाओं में इस्लामी कट्टरता के तेज़ी से बढ़ते खतरे के सामने उनकी लापरवाही और नाकाबिलियत के लिए बुरा-भला कहा जा सकता है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका में उभर रहे नए बड़े राजनीतिक रूझान को नजर अंदाज़ कर दिया, जिसमें छात्रों और युवाओं ने दूसरे देशों में पश्चिम-प्रायोजित %कलररेवोल्यूशन% में बड़ी भूमिका निभाई, जिससे एक के बाद एक सत्तारूढ़ सरकारें गिरीं। सत्तारूढ़ पार्टियों के लिए आधारभूत लाइन यह है कि उन्हें राजनीतिक अतिवाद के साथ कोई तालमेल नहीं करना चाहिए, जो ज़्यादातर अपने प्रायोजक को ही खा जाता है।

हालांकि, यह नहीं मान लेना चाहिए कि बांग्लादेश में डॉ. यूनुस और नेशनल सिटिज़न्स पार्टी (एनसीपी) जैसी पार्टियों के रूप में सामने आए नए भारत विरोधी नेताओं और संगठनों ने अपनी मौजूदा शक्ति पहले ही मज़बूत कर ली है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को काटने और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों पर कब्ज़ा करने के बारे में उनकी सभी भड़काऊ बातों के बावजूद, भारत के सामने उनकी कोई खास ताकत नहीं है, भले ही वे पाकिस्तान के साथ मिल जाएं। यह ज़रूरी है कि अब तक चीन द्वारा %सात बहनी राज्यों को आज़ाद करने% की बांग्लादेशी अपील पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है। रूस का कहना है कि बांग्लादेश के साथ संबंध पहले की तरह ही जारी रहेंगे। यूरोपियन यूनियन और अमेरिकी ब्लॉक के देशों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आयी है। खास बात यह है कि बांग्लादेश के अंदर भी किसी बड़े नेता या पार्टी ने भारत से पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को अलग करने की यूनुस की मांग पर टिप्पणी करने की ज़हमत नहीं उठाई है। दुनिया के बाकी हिस्सों से इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी को देखते हुए, यह लगता है कि भारत सरकार को यूनुस की हरकतों को ज़्यादा गंभीरता से लेने की ज़रूरत नहीं है।

पूर्वोत्तर भारत के बड़े छात्र और युवा संगठन, जैसे एएएसयू, खासी स्टूडेंट्स यूनियन, एनईएसओऔर एजेवाईसीपी, हमेशा बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ का विरोध करते रहे हैं। वे बांग्लादेश से घुसपैठ के खिलाफ बड़े आंदोलनों में सबसे आगे रहे हैं।

इसलिए, सही दस्तावेज के साथ भारत (जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र भी शामिल है!) में यात्रा करने वाले बांग्लादेशियों को छोड़कर, यह कहना गलत नहीं होगा कि संदिग्ध गैर-अप्रवासी बांग्लादेशी आम तौर पर यहां के आम लोगों में शक और अविश्वास पैदा करते हैं,जिसे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मु य सलाहकार डॉ. यूनुस को ध्यान रखना चाहिए।

विचार बनकर बने रहते हैं लोग

सर्वमित्रा सुरजन

दिल्ली समाचार विनोद चाचाजी दुनिया भर में स मानित हुए, उनकी रचनाओं के कई भाषाओं में अनुवाद हुए, फिल्में बनीं, साहित्य उत्सवों में उन्हें आमंत्रित किया जाता रहा, इतनी लोकप्रियता, शोहरत के बावजूद वे जितने सहज बने रहे, उतनी ही सहजता और सरलता सुधा चाची में बनी रही। परंपरागत भारतीय गृहिणी की तरह अपने पति का हर कदम, हर मोड़, हर सुख-दुख में उन्होंने साथ दिया। फिल्म मशाल में दिलीप कुमार और वहीदा रहमान विनोद और सुधा के किरदारों में थे, फिल्मी पर्दे की ये जोड़ी चर्चा में आई तो ललित जी ने हंसते हुए कहा था कि हम तो विनोद और सुधा की इस जोड़ी के प्रशंसक हैं।

वह आदमी नया गरम कोट पहिनकर चला गया विचार की तरह। रबड़ की चप्पल पहनकर मैं पिछड़ गया। ऐसी असाधारण पंक्तियां और ऐसा ढेर सारा असाधारण गद्य, पद्य, कविताएं, कहानियां, उपन्यास और बाल साहित्य लिखने वाले विनोद भाई अब नहीं रहे। ललित सुरजन (मेरे पिता) उन्हें हमेशा विनोद भाई कहकर ही पुकारते थे। घर में हमेशा उनके लिए यही संबोधन सुना। हालांकि हम जब उनसे मुखातिब होते तो उन्हें चाचाजी कहकर ही संबोधित करते और उनके बच्चे भी ललित जी को चाचाजी कहकर ही पुकारते। उनके न रहने पर बचपन की बहुत सी धुंधली स्मृतियां लौट रही हैं।

विनोद चाचाजी मोटर साइकिल पर आया करते थे, शायद राजदूत मोटरसाइकिल होती थी उनके पास। आधी बांहों का शर्ट, पतलून और पैरों में वही रबड़ की चप्पल, जिसका जिक्र ऊपर की पंक्ति में है। रबड़ की चप्पल पहनकर पिछड़ने की बात असल में उस साधारण आदमी का दर्द है, जो गांधी के दर्शन में आखिरी पंक्ति का आखिरी व्यक्ति है। कई बार उसे ये चप्पल भी नसीब नहीं होती। ऐसे ही किसी दुखी हताश व्यक्ति के लिए उन्होंने लिखा कि हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था व्यक्ति को मैं नहीं जानता था हताशा को जानता था इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया मैंने हाथ बढ़ाया मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ मुझे वह नहीं जानता था मेरे हाथ बढ़ाने को जानता था संवेदनशीलता के साथ साधारण व्यक्तियों के मर्म को छूते हुए विनोद चाचाजी अपने हाथ बढ़ाते रहे, कलम चलाते रहे। उनके न रहने पर सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलियां दी जा रही हैं, उनकी पंक्तियों को उद्धृत किया जा रहा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष समेत कई दिग्गजों ने हिन्दी साहित्य में उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी है। यह सब देखकर आश्वस्ति होती है कि हिन्दी साहित्य और साहित्यकारों, लेखकों की कद्र समाज में अब भी बाकी है। अच्छे साहित्य को पढ़ना, उस पर मनन करना भले कम हो गया हो, या केवल ड्राइंग रूम में सजाने के लिए किताबें खरीदी जाती हों, लेकिन एक कालजयी रचनाकार की दुनिया से विदाई पर अगर उसकी रचनाओं के साथ उसे याद किया जा रहा है, तो यह सही मायनों में कलम की जीत है।

हालांकि कई बार सरकारें, राजनेता अपनी छवि निखारने के लिए लेखकों का इस्तेमाल करते हैं। विनोद चाचाजी के साथ शायद छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद ऐसा ही करने की कोशिश की गई थी। राज्योत्सव के लिए लगे मेले में मु यमंत्री अजित जोगी और विनोद कुमार शुक्ल दोनों अपनी नयी किताबों को हस्ताक्षर के साथ पाठकों को देने के लिए उपस्थित थे। मु यमंत्री के हाथों से पुस्तक लेने, उन्हें अपनी वफादारी दिखाने और तस्वीर खिंचवाने के लिए तो उनके समर्थकों की लंबी लाइन बनी थी, और विनोद भाई के हाथों से किताब लेने वालों की लाइन छोटी थी। यह देखकर अफसोस हुआ था कि मानव मन की जटिलताओं के महीन से महीन रेशे को पकड़ने वाले विनोद कुमार शुक्ल राजनीति के इस जटिल खेल को क्यों कर न समझ सके। खैर इसमें उनकी नहीं राजनीति की बुराई है।

फिर उसी मोटरसाइकिल की तरफ बढ़ती हूं, जिस पर सवार होकर विनोद चाचाजी घर आया करते थे। खाने की मेज़ पर या चाय पीते-पीते बाबूजी और ललितजी के साथ दुनिया भर के मुद्दों पर चर्चा हुआ करती थी। अमेरिका, ब्रिटेन की राजनीति से लेकर साहित्यिक गतिविधियों पर, एक से बढ़कर एक उ दा विचार हमें सुनने मिला करते। इन चर्चाओं में प्रभाकर चौबे, हरिशंकर शुक्ल, बच्चू जांजगिरी आदि भी अक्सर हुआ करते थे। खैरागढ़ से अगर रमाकांत श्रीवास्तव आते तब भी ऐसी अनौपचारिक साहित्यिक-वैचारिक गोष्ठियां जम जाया करती थीं। और कई बार ये सब लेखक मित्र एक-दूसरे की रचनाओं के विश्लेषण करते, शीर्षकों पर चर्चा करते जो हास-परिहास करते थे, वह भी इतना स्तरीय होता था कि एक अच्छी हास्य रचना तैयार हो जाए। अपनी खुशकिस्मती समझती हूं कि अपने पिता और बाबूजी के साथ-साथ इन तमाम लेखकों-विचारकों से भाषा, साहित्य और पत्रकारिता के संस्कार मिले। हर वक्त के अपने तकाजे और जरूरत होती है, लेकिन कुछ चीजों के लिए लगता है कि वक्त बदलना नहीं चाहिए। आज घरों में अमूमन ऐसा माहौल कम हो चुका है या लगभग गायब ही है, जहां मां-बाप और उनके मित्रों के साथ बच्चों को अच्छी बातें सुनने-समझने का मौका मिले। बच्चों के हाथ में मोबाइल है, स्मार्ट फोन ने उनकी नजरों पर डाका डाल दिया है, ऐसी शिकायत तो सुनने मिलती ही है, लेकिन हकीकत ये है कि नासमझ बच्चों की तरह खुद को समझदार कहने वाले अभिभावक भी अपना अधिक से अधिक वक्त स्क्रीन पर बिताने लगे हैं, जिससे बच्चों के साथ उनका संवाद कम हो रहा है और वो बच्चों में उस संवेदनशीलता को संप्रेषित ही नहीं कर पा रहे हैं, जो उन्हें एक बेहतर इंसान और भावी नागरिक बनाए। यहां फिर विनोद चाचाजी का जिक्र करूंगी, जिन्होंने नौकर की कमीज और दीवार में एक खिड़की रहती थी, जैसा गंभीर लेखन किया तो उतनी ही गंभीरता से बच्चों के लिए कविताएं, कहानियां लिखीं। छोटे-छोटे वाक्य, रोजमर्रा में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द, बच्चों के विचार फलक पर उभरते दृश्य, उनकी कल्पनाएं, सबको बखूबी अपने लेखन से बांधा। एक बानगी देखिए टेढ़ा मेढ़ा नक्शा टेढ़े मेढ़े द्वीप टेढ़े मेढ़े समुद्र टेढ़ी मेढ़ी नदियां इधर उधर तक फैला ओर छोर आकाश टेढ़े मेढ़े होंगे उसके कोर किनार टेढ़ा मेढ़ा है सब चार दिशा दस कोनों के कहीं कम नहीं अनंत छोटी बच्ची का सब गढ़ा हुआ कहता था एक बूढ़ा संत बड़ों की संवादहीनता का शिकार बच्चे अगर विनोद कुमार शुक्ल की बाल रचनाओं को पढ़ें तो लगेगा कि घर का कोई बुजुर्ग उन्हें अपने पास बिठाकर उनके मन की बात सुन रहा है, अपने मन की बात कह रहा है। विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार से लेकर गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप (मध्य प्रदेश शासन), रज़ा पुरस्कार (मध्य प्रदेश कला परिषद), राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त स मान (मध्य प्रदेश शासन), हिंदी गौरव स मान (उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश शासन) के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय साहित्य में उपलब्धि के लिए 2023 का पेन/नाबोकोव पुरस्कार भी मिला। वे भारतीय एशियाई मूल के पहले लेखक थे, जिन्हें इस स मान से नवाजा गया था। करीब 28 साल पहले 1997 में जब विनोद जी को दयावती मोदी पुरस्कार मिला था, तब देशबन्धु को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि मैं तो हमेशा पुरस्कार से अपनी तरफ से बचने की कोशिश करता हूं। पीछे बैठा होने के बावजूद लोगों की नजर उस तरफ घूम जाती है, तो संतोष होता है। यानी बड़े से बड़े पुरस्कार को भी उन्होंने सहज भाव से ही लिया। उनका कहना था कि ऐसा समाज हो जहां कविता की पुरस्कारों से पहचान बनती हो। जहां कवि की पहचान बाद में हो तो कविता के लिए ऐसा पुरस्कार मान्य होना चाहिए। ज़्यादा जानें सहकारिता पर किताबें ई-पेपर सदस्यता समाचार संग्रह शिक्षा से संबंधित सेवाएं यात्रा और पर्यटन पैकेज साहित्य और कविता संग्रह बॉलीवुड समाचार पत्रिका प्रादेशिक समाचार हिंदी भाषा के कोर्स खेल जगत की खबरें विनोद चाचाजी दुनिया भर में स मानित हुए, उनकी रचनाओं के कई भाषाओं में अनुवाद हुए, फिल्में बनीं, साहित्य उत्सवों में उन्हें आमंत्रित किया जाता रहा, इतनी लोकप्रियता, शोहरत के बावजूद वे जितने सहज बने रहे, उतनी ही सहजता और सरलता सुधा चाची में बनी रही। परंपरागत भारतीय गृहिणी की तरह अपने पति का हर कदम, हर मोड़, हर सुख-दुख में उन्होंने साथ दिया। फिल्म मशाल में दिलीप कुमार और वहीदा रहमान विनोद और सुधा के किरदारों में थे, फिल्मी पर्दे की ये जोड़ी चर्चा में आई तो ललितजी ने हंसते हुए कहा था कि हम तो विनोद और सुधा की इस जोड़ी के प्रशंसक हैं। 2005 में ललितजी की पहल से चौबे कॉलोनी महिला मंडल ने तेजस्विनी स मान का आयोजन किया था। इसमें उन महिलाओं को स मानित किया गया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर अपने पति या बच्चों को शोहरत की बुलंदी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सुधा शुक्ल यानी सुधा चाची को भी यह स मान मिला, जिन्होंने विनोद कुमार शुक्ल के लेखन को निर्बाध जारी रखने में अपना अमूल्य योगदान दिया। कई साल पहले शायद 80 के दशक के आखिरी सालों में विनोद कुमार शुक्ल ने अपने हाथों से एक कविता लिखकर ललित जी को दी थी, जिसे उन्होंने बाकायदा फ्रेम करवा कर अपने द तर में लगा कर रखा और अब तक वह उसी तरह वहां लगी हुई है। नश्वर काया को छोड़कर जाने वालों के बाद ऐसी ही यादें बची रह जाती हैं। विचार की तरह लोग चले जाते हैं, लेकिन विचार बनकर हमेशा हमेशा के लिए यादों में बने भी रहते हैं।

विविध समाचार

नशेड़ी पोते ने गले में चाकू मार की दादी की हत्या, फिर लाश पर गैस सिलेंडर रख ऊपर से चादर डाल छिपाया

मोहाली ०९/०१ (संवाददाता): पंजाब के मोहाली जिले के डेराबस्सी कस्बे में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। नशे की हालत में धुत एक युवक ने अपनी 85 वर्षीय दादी की गले पर चाकू से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को छिपाने की कोशिश में कपड़े में लपेटकर उसके ऊपर गैस सिलेंडर रख दिया।

मृतका की पहचान गुरबचन कौर के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पोते का नाम आशीष बताया गया है। पुलिस ने मौके से दादी के गले में फंसा हुआ चाकू बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने वारदात के समय भारी मात्रा में शराब पी रखी थी। थाना डेराबस्सी प्रभारी सुमित मोर ने बताया कि आरोपी शराब का आदी है और नशे की लत को लेकर अकसर अपनी दादी से झगड़ा करता था। बुधवार दोपहर वह शराब के नशे में घर पहुंचा और मामूली कहासुनी के बाद किचन से चाकू उठाकर दादी के गले पर वार कर दिया। हत्या के बाद आरोपी ने शव छिपाने का प्रयास किया और घर से फरार हो गया। पुलिस ने उसे थोड़ी देर बाद ही पकड़ लिया।

आरोपी की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, ने बताया कि जब वे दोपहर करीब 2रू50 बजे स्कूल से लौटीं, तो बेटे आशीष ने उन्हें देखते ही घर से भागने की कोशिश की। घर में दाखिल होकर उन्होंने अपनी सास को खून से लथपथ हालत में मृत पाया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। परिवार के अनुसार, आशीष 12वीं तक पढ़ा हुआ है और पिछले कुछ महीनों से बेरोजगार था। कुछ समय पहले उसका एक युवती से ब्रेकअप हुआ था, जिसके बाद वह मानसिक रूप से टूट गया और नशे का आदी बन गया। घरवाले उसे नशा छोड़ने के लिए कहते थे, जिस पर वह अकसर झगड़ने लगता था। पुलिस ने आरोपी आशीष को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी सुमित मोर ने बताया कि घटना स्थल की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए गए हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या मामला : आईपीएस पूरन की पत्नी और एमएलए भाई पर एफआईआर दर्ज, परिवार का पोस्टमॉर्टम से इनकार

रोहतक ०९/०१ (संवाददाता): हरियाणा में सीनियर IPS अधिकारी वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले ASI संदीप लाठर के परिजनों ने अब पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने IPS की पत्नी अमनीत कुमार, उनके भाई आप विधायक अमित मान और गनमैन सुशील के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। परिवार ने शव को फिलहाल रोहतक जिले के लाढ़ौत गांव में अपने मामा के घर रखा हुआ है। रातभर ग्रामीण और रिश्तेदार वहीं डटे रहे। परिजनों का कहना है कि जब तक सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, वे पोस्टमॉर्टम नहीं करवाएंगे। रोहतक के ASP शशि शेखर, क्ड आशीष कुमार और मुख्यमंत्री के OSD विरेंदर सिंह ने परिजनों से मुलाकात कर समझाने की कोशिश की, लेकिन परिजन रात तक तैयार नहीं हुए। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और महिपाल ढांडा स्वयं लाढ़ौत गांव पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, इनेलो प्रमुख अभय चौटाला और नेता सुनैना चौटाला ने भी परिजनों से मुलाकात की। बता दें कि मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे, ASI संदीप लाठर ने धामड़ रोड स्थित मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटनास्थल से एक वीडियो और चार पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें संदीप ने IPS वाई. पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुसाइड नोट और मोबाइल वीडियो को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच सीनियर पुलिस अधिकारियों की निगरानी में जारी है। वहीं प्रशासन ने परिवार से अपील की है कि पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए ताकि जांच सुचारू रूप से चल सके।

हरियाणा सरकार का एक साल : कई संकल्प पूरे... मगर चुनौतियां बरकरार

चंडीगढ ०९/०१ (संवाददाता): हरियाणा के इतिहास में पहली बार किसी राजनैतिक दल ने लगातार तीसरी बार सत्ता की कुर्सी हासिल की है। 17 अक्तूबर 2024 को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनके 13 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पंचकूला के परेड ग्राउंड में शपथ ली। सत्ता संभालने के अगले ही दिन राज्य सरकार ने किडनी रोग से पीड़ितों को मुफ्त डायलिसिस व अनुसूचित जाति के आरक्षण को दो वर्गों में वर्गीकरण कर वंचित अनुसूचित जातियों को सौगात दी। इसके अलावा भी कई छोटे–बड़े फैसले लिए गए, जिनमें लाडो लक्ष्मी योजना, शामलात भूमि पर 20 वर्षों से काबिज पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक, अग्निवीरों को पुलिस की भर्तियों में 20 फीसदी कोटा, पीएम विद्यालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 4533 लाभार्थियों को प्लॉट देने संबंधी फैसले शामिल रहे। राज्य सरकार का दावा है कि चुनाव में किए 217 संकल्प में से 48 संकल्पों को पूरा कर दिया गया है। वहीं, दूसरी ओर कुछ ऐसे मुद्दे भी रहे, जिनसे सरकार को जूझना पड़ा। गुरुग्राम में जलभराव की स्थिति, बिगड़ती कानून व्यवस्था, आपदा से बर्बाद फसलों कम मुआवजा व खाद संकट जैसे कई मुद्दों पर विपक्ष सरकार को निशाने पर लेता रहा। वहीं, कई ऐसे भी मौके आए, जब सरकार को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। वाई पूरण प्रकरण मामले को मैनेज करने में सरकार असफल रही, जिससे राज्य सरकार को अपनी पहली वर्षगांठ में पीएम मोदी की रैली को स्थगित करना पड़ा। राज्य सरकार जश्न भी नहीं मना पाई। अनुसूचित जाति में कोटे में कोटा रू सत्ता संभालते ही हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति में नौकरियों के लिए कोटे के अंदर कोटे का प्रावधान किया। हरियाणा सरकार अपने कार्यकाल के पहले ही साल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू कर दिया। एक नवंबर से लाभार्थी महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये दिए जाएंगे। सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में किडनी मरीजों को मुफ्त डायलिसिस की सौगात दी गई है। पिछले साल इस योजना की शुरुआत हुई थी। हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या, चंडीगढ़, दिल्ली और जयपुर के लिए उड़ान का शुरू होना भी राज्य सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि है।अब से अहमदाबाद और जम्मू के लिए उड़ान शुरू की जानी है। कैग के मुताबिक हरियाणा उन राज्यों की श्रेणी में सबसे आगे है, जो लिए गए लोन की सबसे ज्यादा अदायगी करता है। हरियाणा सरकार कुल खर्चे का 16.67 फीसदी पैसा सिर्फ ब्याज में चुका रहा है। इस सूची में दूसरे नंबर पर पंजाब (16.35) फीसदी, तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल, (16.31), चौथे नंबर पर केरल (15.86), पांचवें नंबर पर तमिलनाडु (14.36) और छठे नंबर पर राजस्थान (12.42) फीसदी है। कई प्रयासों के बावजूद हरियाणा में अपराध पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। आए दिन रंगदारी और हत्या की घटना सामने आती रहती है। कुछ दिन की सख्ती के बाद गैंगस्टर फिर से सिर उठाने लगते हैं। हरियाणा में हरियाणा में 80 गैंग सक्रिय है। हर साल किसानों को डीएपी व यूरिया के संकट से जूझना पड़ता है, जिसकी वजह से किसान समय पर बुवाई नहीं कर पाते। इससे किसानों को प्रत्येक साल निम्न स्तर की फसल से जूझना पड़ता है। हरियाणा में कई एकड़ खेत सेम की समस्या से जूझ रहे हैं तो वहीं, बारिश के दिनों में गुरुग्राम में जलभराव की समस्या सामने आती है। इस समस्या से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की इमेज को धक्का लगता है। राज्य सरकार का दावा करती है कि अब तक करीब 40 हजार से ज्यादा लोगों को नौकरियां दी गई हैं। इनमें 24 हजार वे नौकरियां भी शामिल हैं, जो पिछले कार्यकाल में घोषित की गई थी। वहीं, सीईटी का आयोजन तो सफलतापूर्वक कर दिया, मगर अभी तक न तो परिणाम जारी हुआ और न ही करेक्शन के लिए पोर्टल खुला। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने वर्तमान सरकार को एक साल के कार्यकाल में पूरी तरह विफल बताया।

मालिक का बेटे की तरह घोड़े से अनोखा प्रेम, 'फतेहजंग' की मौत पर रखवाया भोग समागम, छपवाए कार्ड

लुधियाना ०९/०१ (संवाददाता): इंसानों और जानवरों के बीच प्रेम की कई कहानियां आपने सुनी होंगी, लेकिन लुधियाना से एक ऐसी कहानी सामने आई है जो इस रिश्ते को एक नई गहराई देती है। यहां खासी कलां के रहने वाले चरणजीत सिंह मिंटा अपने घोड़े फतेहजंग की मौत से इस कदर दुखी हुए कि उन्होंने उसकी आत्मिक शांति के लिए बकायदा भोग समागम का आयोजन किया। इसके लिए उन्होंने विधिवत कार्ड छपवाए और गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम रखकर सभी रिश्तेदारों और परिचितों को आमंत्रित किया। चरणजीत सिंह मिंटा के लिए फतेहजंग सिर्फ एक घोड़ा नहीं, बल्कि उनके परिवार का सदस्य और उनके तीन बेटों में से एक था। उनके दो बेटे, गुरइकबाल सिंह और मनलोचन सिंह, क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में रहते हैं। जब भी कोई उनसे उनके बच्चों के बारे में पूछता, तो वे हमेशा कहते कि उनके तीन बेटे हैं, और तीसरे बेटे का नाम फतेहजंग सिंह है जो हिंदुस्तान में रहता है। मिंटा बताते हैं कि घोड़े पालना और उनसे प्रेम करना उनके खून में है।

उनका परिवार तीन पीढ़ियों से घोड़े पालता आ रहा है। 38 महीने का फतेहजंग उनके घर में ही पैदा हुआ था और अपने नीले रंग और दोस्ताना स्वभाव के कारण वह और उनकी पत्नी उसे अपने बच्चे की तरह मानने लगे थे। बच्चे विदेश में होने के कारण उनका सारा दिन फतेहजंग के साथ ही गुजरता था। फतेहजंग पूरे उत्तर भारत में प्रदर्शनियों में एक जाना–माना नाम था और लोग उसे बहुत पसंद करते थे। इसी साल वे उसे जोधपुर के महाराजा के पास भी लेकर गए थे, जहां उसकी खूब प्रशंसा हुई थी। बीती 8 अक्टूबर को फतेहजंग की अचानक तबीयत खराब हो गई और उसकी मौत हो गई। जांच में पता चला कि उसके अंगों ने अचानक काम करना बंद कर दिया था। इस घटना से चरणजीत सिंह को गहरा आघात लगा और वह उदासी में डूब गए। उनकी हालत देखकर पटियाला से आए उनके रिश्तेदारों ने उन्हें नीले रंग का एक नया घोड़ा उपहार में दिया। चरणजीत सिंह ने अपने 'बेटे' की याद में इस नए घोड़े का नाम भी फतेहजंग ही रखा है।

भाजपा की 'आप' विधायकों के फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए राज्यसभा सीट हड़पने की कोशिश बेनकाब : अमन अरोड़ा

चंडीगढ ०९/०१ (संवाददाता): पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर लोकतंत्र की हत्या और अपराधियों को बचाने के गंभीर आरोप लगाये हैं। विधायक फौजा सिंह सरारी, रजनीश दहिया और वरिष्ठ नेता नील गर्ग के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि चंडीगढ़ महापौर चुनाव की तरह ही भाजपा की एक बार फिर 'आप' विधायकों के फर्जी हस्ताक्षरों से राज्यसभा में अपने व्यक्ति को भेजने की कोशिश बेनकाब हुई है। अरोड़ा ने कहा कि यह मामला बहुत गंभीर और संगीन है। भाजपा और केंद्र सरकार द्वारा लगातार लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं, जिसकी ताजा मिसाल आज चंडीगढ़ में देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान, जैसे अनिल मसीह ने बेशर्मी से वोट रद्द करके लोकतंत्र की हत्या की थी, उससे भी संगीन हालात अब भाजपा ने राज्यसभा सीट के लिए पैदा कर दिये हैं। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का खुलासा करते हुए बताया कि श्री अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए नवनीत चतुर्वेदी नामक व्यक्ति ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने कहा कि नामांकन भरना हर किसी का हक है, लेकिन फर्जीवाड़े से देश की सबसे पवित्र पंचायत (संसद) में पहुंचना लोकतंत्र की पीठ में छुरा मारने के बराबर है। उन्होंने दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि छह अक्टूबर को नवनीत चतुर्वेदी ने 'आप' के 10 विधायकों के नाम बिना हस्ताक्षरों के प्रस्तावक के तौर पर दाखिल किये। फिर 13 अक्टूबर को उसने 10 और नये विधायकों के नामों के साथ एक और नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसमें विधायक रजनीश दहिया और फौजा सिंह सरारी समेत कई अन्य विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर थे।

पंजाबी बोली ओलंपियाड करवाएगा पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड, पंजीकरण शुरु : परसराम प्रभाकर

जालंधर ०९/०१ (संवाददाता): पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों के अंतर्गत पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा तीसरा अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी भाषा ओलंपियाड करवाया जा रहा है। इस चल रहे ओलंपियाड में प्रिंटर्स एसोसिएशन के सदस्यो ने विशेष रुप से भाग लिया और अपने अपने विचार दिए। बैठक में प्रिंटर्स एसोसिएशन पंजाब के महासचिव परसराम प्रभाकर ने बताया कि बैठक में डॉ. अमरनाथ सिंह आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) चेयरमैन पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने बताया है कि पंजाबी ओलंपियाड में विद्यार्थियों का पंजीकरण 15 अगस्त से शुरू हो गया था, जिसे भारी समर्थन मिल रहा है और विद्यार्थियों के लिए 31 अक्तूबर तक पंजीकरण करवाने का सुनहरा अवसर है। महासचिव परसराम प्रभाकर ने कहा कि पंजाबी ओलंपियाड के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश–विदेश में रहने वाले पंजाबियों को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ना और पंजाबी भाषा की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है। इस ओलंपियाड कृ का विशेष आकर्षण यह है कि इस वर्ष विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ–साथ उन स्कूलों और अध्यापकों को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा जो ओलंपियाड में अधिकतम विद्यार्थियों का पंजीकरण करवाएंगे।

बताया गया कि प्राथमिक वर्ग (8 से 12 वर्ष) के लिए पंजीकरण शुल्क 50 रु पए रखा गया है, जो पहले 100 रु पए था। मध्यम वर्ग (12 से 14 वर्ष) और माध्यमिक वर्ग (14 से 16 वर्ष) के लिए पंजीकरण शुल्क 100 रु पए रखा गया है। एन.आर.आई. छात्नों के लिए पंजीकरण शुल्क 800 रु पए रखा गया है। पिछले वर्षों में प्रश्नों का आधार केवल तैयार सामग्री तक ही सीमति था, लेकिन इस बार इसके साथ ही आयु के अनुसार पाठ्यक्रम से प्रश्न भी शामिल किए गए हैं ताकि ओलंपियाड पाठ्यक्रम से जुड़ा रहे। इसके अलावा पिछले वर्षों में केवल ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी, जबकि इस बार यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी।

लागू, तंदूर, कूड़ा जलाने और तोड़फोड़ पर लगी रोक

झज्जर ०९/०१ (संवाददाता): (संवाददाता):प्रदूषण का स्तर लगातार खराब हो रहा है। हवा जहरीली हो रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से ग्रैप–1 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) लागू हो गया है। जैसे–जैसे प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा पाबंदियां भी बढ़ती जाएंगी। ग्रैप–1 लागू होने के बाद तंदूर, कूड़ा जलाने और तोड़फोड़ पर रोक लगा दी गई है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से भी सख्ती बरती जा रही है। बुधवार की सुबह क्षेत्र में स्मॉग छाया रहा। इसके कारण दोपहिया वाहन चालकों को आंखों में जलन की अनुभूति हुई। सुबह 8 बजे एक्यूआई 229 दर्ज किया गया। प्रदूषण रोकने में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

अवैध पत्थर खदान में धमाका, दो शव बरामद, और लोगों के फंसे होने की आशंका

ढेंकनाल ०९/०१ (संवाददाता): ओडिशा के ढेंकनाल जिले के मोटांगा इलाके में गोपालपुर के पास एक अवैध पत्थर की खदान में हुए ज़बरदस्त धमाके के बाद दो शव बरामद किए गए, जबकि कई और लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पत्थरों के ढेर के नीचे से शवों को निकाला, जबकि यह आशंका बनी हुई है कि और भी मज़दूर मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। रिपोर्टिंग के समय हृष्ठक्रस्त्र टीमों और फायर सर्विस की दो यूनिटों को तैनात करके घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। मलबा हटाने के लिए छ्ष्टक्क मशीनों का इस्तेमाल किया गया, और बचाव दल और जनता दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को सील कर दिया गया। रात को मोटांगा पुलिस स्टेशन के तहत एक पत्थर की खदान में धमाके की सूचना मिली थी।

घटना के बाद, स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद प्रशासन और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया, और बचाव और तलाशी अभियान शुरू होने के साथ ही खदान के अंदर और आसपास आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई। अभियान में शामिल अधिकारियों ने कहा कि मलबा सावधानी से हटाने पर ध्यान केंद्रित है, ज़्योंकि इस स्तर पर पत्थरों के ढेर के नीचे और मज़दूरों के फंसे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रशासन मौके पर पहुंचा सूचना मिलने पर, ओडापाड़ा तहसीलदार और मोटांगा पुलिस स्टेशन के कर्मचारी खदान पहुंचे और प्रारंभिक जांच शुरू की। घटनास्थल पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया, और जनता के प्रवेश को रोकने के लिए इलाके को सील कर दिया गया। शुरुआती आकलन के दौरान, अधिकारियों ने पाया कि जिस खदान में धमाका हुआ था, उसके पास ज़्लास्टिंग गतिविधियों के लिए वैध अनुमति नहीं थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ढेंकनाल जिला खनन कार्यालय ने 8 सितंबर, 2025 को पट्टेदार को एक पत्र जारी कर ज़्लास्टिंग अनुमति न होने के कारण खदान को बंद करने का निर्देश दिया था। नियमों के उल्लंघन के आरोप निर्देश के बावजूद, जानकारी से पता चलता है कि नियमों का उल्लंघन करते हुए घटनास्थल पर ज़्लास्टिंग गतिविधियां जारी थीं। रिपोर्टिंग के समय जिला खनन अधिकारी और संबंधित पट्टेदार टिप्पणी के लिए उपलज़्ध नहीं थे।

बच्चे की हत्या

ज़्योंझर ०९/०१ (संवाददाता): जिले के झुमपुरा ज़्लॉक के नाहाबेड़ा पंचायत के मुंडा साही में तीन वर्षीय बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को एक युवक को गिरज़्तार किया है। आरोपी 25 वर्षीय श्रीतम मुंडा ने कथित तौर पर दो दिन पहले दुर्योधन मुंडा के बेटे लकी की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। बाद में उसने बच्चे के शव को सूखी नहर में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि मुंडा साही के आदिवासी निवासियों ने करीब 10 दिन पहले माघे उत्सव मनाया था। उत्सव के दौरान कथित तौर पर आरोपी ने नशे की हालत में कुछ महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। इसके बाद उत्सव समिति ने बैठक कर श्रीतम पर उसके कृत्य के लिए जुर्माना लगाया। आरोपी से जुर्माना वसूलने में दुर्योधन ने अहम भूमिका निभाई। तब से श्रीतम दुर्योधन से रंजिश रखता था और उससे बदला लेने के मौके की तलाश में था।

आरएसपी में निवारक सतर्कता चेतना पर जागरूकता सत्र किया गया आयोजित

राउरकेला ०९/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात सयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) सज़्मेलन कक्ष में दिन-प्रतिदिन के संचालन में पारदर्शिता, अखंडता और निवारक सतर्कता के महत्व के बारे में अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए चेतना शीर्षक से निवारक सतर्कता पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई, मुज़्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण), श्री एस एस रॉयचौधरी और महाप्रबंधक (सतर्कता और एसीवीओ), श्री रंजन भारती ने सत्र की अध्यक्षता की। सत्र में बड़ी संज़्या में मुज़्य महाप्रबंधक और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री पलाई ने ज़ोर देकर कहा कि सतर्कता एक सामूहिक ज़िज़्मेदारी है और अधिकारियों को आरएसपी में पारदर्शी और कुशल कामकाज का समर्थन करने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं के साथ सतर्क, सक्रिय और अनुपालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री भारती ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में संगठनात्मक कामकाज में निवारक सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डाला। उप महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री संदीप बंसल ने प्रासंगिक प्रावधानों और उनके निहितार्थों को रेखांकित करते हुए पेनल्टी विषय पर एक प्रस्तुति दी।

इसके बाद सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री अबानी कुमार बिस्वाल द्वारा विभिन्न सतर्कता मामले के अध्ययन पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। यह सत्र इंटरैज़्टिव था, जिसमें उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और चर्चा की।

जाजपुर में ड्रग डील, 52 ग्राम ब्राउन शुगर जज़्त

जाजपुर ०९/०१ (संवाददाता): एज़्साइज डिपार्टमेंट ने ओडिशा के जाजपुर जिले में अवैध ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक सफल कार्रवाई की, जिसमें तीन लोगों को कथित तौर पर ब्राउन शुगर बेचते हुए गिरज़्तार किया गया। अधिकारियों ने ऑपरेशन के दौरान 52 ग्राम नशीला पदार्थ जज़्त किया। सूत्रों के अनुसार, यह छापा जाजपुर टाउन पुलिस स्टेशन के तहत बल्लभी घाट के पास मारा गया। आरोपी एक मोटरसाइकिल पर बैठे थे और ब्राउन शुगर बेच रहे थे, तभी एज़्साइज अधिकारियों ने छापा मारा और उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। जज़्त किए गए सामान की अवैध बाजार में कीमत लगभग 5.20 लाख रुपये बताई जा रही है। जज़्ती के बाद, एज़्साइज डिपार्टमेंट ने तीनों लोगों को गिरज़्तार कर लिया और उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए कोर्ट में पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि यह ऑपरेशन जिले में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। नशीले पदार्थों के सोर्स का पता लगाने और अवैध सप्लाई नेटवर्क में संभावित कनेज़्शन की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। हालांकि, इस संबंध में एज़्साइज डिपार्टमेंट की टीम से कोई टिप्पणी नहीं मिली है।गौरतलब है कि, कल एक और घटना में और राज्य की राजधानी में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, खोरधा जिले के एज़्साइज अधिकारियों ने शनिवार को भुवनेश्वर में चल रहे एक ब्राउन शुगर रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गिरज़्तार किया गया, जिसमें एक लॉ स्टूडेंट भी शामिल है, जो कथित तौर पर रैकेट का सरगना था।एज़्साइज अधिकारियों ने एक विशेष ऑपरेशन के दौरान भुवनेश्वर में बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट इलाके से 265 ग्राम ब्राउन शुगर जज़्त की थी। जज़्त किए गए सामान की कीमत लगभग 27 लाख रुपये बताई जा रही है। जांच में पता चला कि आरोपी खोरधा से ब्राउन शुगर खरीद रहे थे और इसे भुवनेश्वर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई कर रहे थे। बताया जाता है कि इस गैंग ने फॉरेस्ट पार्क और एयरपोर्ट इलाकों को अपनी रेगुलर मीटिंग और डिस्ट्रीज़्यूशन हब बना लिया था।

विजिलेंस ने गिरफ्तार किया कटक आईआईसी को , 5 लाख रुपये कैश बरामद

भुवनेश्वर ०९/०१ (संवाददाता): भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, ओडिशा विजिलेंस डिपार्टमेंट ने रविवार को एक पुलिस अधिकारी को 40,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरज़्तार किया। आरोपी की पहचान कटक आईआईसी पुलिस स्टेशन के इंस्पेज़्टर-इन-चार्ज विजय कुमार बारिक के रूप में हुई है। विजिलेंस सूत्रों के अनुसार, बारिक को एक लाइसेंसी शराब व्यापारी से 40,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

यह गिरज़्तारी भुवनेश्वर के राजमहल स्क्वायर के पास विजिलेंस टीम द्वारा बिछाए गए जाल के बाद हुई। यह जाल व्यापारी की शिकायत के आधार पर बिछाया गया था, जिसने अधिकारी पर सरकारी काम के सिलसिले में अवैध रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। गिरज़्तारी के बाद, विजिलेंस अधिकारियों ने भुवनेश्वर के यूनिट-1 इलाके में आरोपी के सरकारी क्वार्टर में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, 5 लाख रुपये नकद बरामद किए गए और जज़्त कर लिए गए। बरामद नकदी के स्रोत की फिलहाल जांच की जा रही है। विजिलेंस अधिकारियों ने बताया कि यह पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है कि ज़्या आरोपी अधिकारी ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपज़ि जमा की थी। जांच के लिए संबंधित दस्तावेज और सामग्री भी जज़्त कर ली गई है। एक सेवारत पुलिस अधिकारी की गिरज़्तारी ने एक बार फिर सिस्टम में भ्रष्टाचार को लेकर चिंताओं को उजागर किया है।

विजिलेंस विभाग ने भ्रष्ट आचरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और नागरिकों से आगे आकर ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट करने का आग्रह किया। इस बीच, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। जांच आगे बढ़ने पर और जानकारी मिलने की उज़्मीद है।

2036 तक ओडिशा बन जाएगा उम्रदराज राज्य, प्रदेश में लगातार घट रही है आबादी, बच्चे पैदा करने में हिचकिचा रहे जोड़े

भुवनेश्वर ०९/०१ (संवाददाता): दस वर्ष बाद ओडिशा की आबादी बढ़ने के बजाय घटेगी। स्वास्थ्य विभाग का यह अनुमान राज्य की सकल प्रजनन दर ;टीएफआरद्ध राष्ट्रीय दर से काफी कम होने और धीरे.धीरे घटने की पृष्ठभूमि में आया है। एक कदम आगे बढ़ते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि ओडिशा जल्द ही बुजुर्गों ;वयस्कद्ध का राज्य बन जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी परिवार नियोजन 2030 विजन डॉज़्यूमेंट में यह आकलन किया गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण ;एनएफएचएसद्ध.5 के अनुसारए राज्य में प्रजनन दर ;टीएफआरद्ध वर्तमान समय में 1.8 हैए जो कि प्रतिस्थापन दर या 2ण्1 की संतुलन दर से कम है। राज्य का टीएफआर अगले साल से 1.8 से घटकर 1.6 होने का अनुमान है।अगर राज्य में तीन धर्मों के परिवारों को शामिल किया जाए तो यह हिंदुओं के लिए 1ण्8ए मुसलमानों के लिए 1.9 और ईसाई श्रेणी में 2.3 है। इसी तरहए शहरी क्षेत्रों में टीएफआर 1.6 और ग्रामीण क्षेत्रों में यह 1.8 है। 13 वर्ष बाद राज्य का टीएफआर 1.5 तक खिसक सकता है।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि ओडिशा में जनसंज़्या दर अन्य राज्यों की तुलना में काफी बेहतर है। लेकिन अब ज्यादातर लोग अपने पहले बच्चे के जन्म में देरी कर रहे हैं। अधिकांश जोड़े केवल एक ही बच्चे को जन्म देना उचित समझ रहे हैं। इसके पीछे गरीबी भी एक अन्य प्रमुख कारण है।

आज के इस महंगे दौर में गरीब वर्ग के लोग भी बच्चा पैदा करने से हिचकिचाने लगे हैं। ओडिशा में वर्तमान समय में युवाओं की संज़्या अधिक होने के कारण जनसंज़्या बढ़ रही है। लेकिन यह हमेशा के लिए जारी नहीं रहेगा। ज़्योंकि अभी जो युवा हैं उनकी उम्र अगले 15 साल बाद 40.45 साल होगी। तब तकए ओडिशा में जनसंज़्या पिरामिड अलग होगा। इसलिए अगले 13 सालों में यानी 2036 तक प्रदेश की जनसंज़्या में गिरावट देखने को मिलेगी। वहीं दूसरी ओरए राज्य में जन्म नियंत्रण की सफलता के आंकड़ों को देखते हुएए इसे खुला नहीं छोड़ा जा सकता है। अब भीए 25 प्रतिशत जोड़े गर्भनिरोधक के पारंपरिक तरीकों का उपयोग कर रहे हैं। इसके साथ कुछ समस्याएं हैं।अब नए तरीके उपलज़्ध हैं। इसलिए गर्भनिरोधक के इस नए तरीके को अपनाने पर जोर दिया जाना चाहिए और दिया जाएगा।

अधिकारी ने कहा कि परिवार नियोजन 2030 का रोड मैप जनसंज़्या और गर्भनिरोधक विधियों आदि को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस मौके पर दो नए गर्भनिरोधक तरीके पेश किए गए हैं।एक सबडर्मल इज़्प्लांट एवं सबज़्यूटानियम इंजेज़्टेबल गर्भनिरोधक एमपीए ;अंतराद्ध है। गंजाम और कटक में सब.डर्मल इज़्प्लांट शुरू किए जाएंगे।

आरएसपी के कैप्टिव पावर प्लांट-1 ने एक दिन में बनाया नया उत्पादन रिकॉर्ड

राउरकेला ०९/०१ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के कैप्टिव पावर प्लांट-1 ने 53.17 मेगावाट बिजली के अपने उच्चतम दैनिक उत्पादन का उत्पादन करके एक नया एकल दिन का रिकॉर्ड बनाया है। स्टीम टर्बाइन जेनरेटर (एसटीजी) 1 और 2 ने 33.16 मेगावाट का उत्पादन किया, बैक प्रेशर टर्बाइन जेनरेटर (बीपीटीजी) ने 3.71 मेगावाट का उत्पादन किया, जबकि टॉप रिकवरी टर्बाइन जेनरेटर (टीआरटीजी) ने 16.30 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जिससे कुल 53.17 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया। पिछला सबसे अच्छा उत्पादन 11 अगस्त, 2023 को 52.41 मेगावाट था। निदेशक प्रभारी (डीआईसी), आरएसपी श्री आलोक वर्मा के साथ कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री तरुण मिश्र, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री अनिल कुमार, कार्यपालक निदेशक (खान, ओजी ओएम, सीएमएलओ), श्री एम. पी. सिंह और कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुदीप पाल चौधरी ने 27 दिसंबर को विभाग का दौरा किया और सीपीपी-1 सामूहिक को उनके निरंतर प्रयासों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर संयंत्र के कई मुज़्य महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीपीपी-1 सामूहिक के प्रयासों की सराहना करते हुए, निदेशक प्रभारी ने कहा कि निरंतर सुधार प्रगति की कुंजी है और टीम से निरंतर उन्नयन में विश्वास करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा हमें विश्वास होना चाहिए कि जहां हम आज खड़े हैं, कल एक बेहतर संस्करण होगा। यह निरंतर विकास हमें बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है, । विभाग की क्षमताओं में विश्वास व्यक्त करते हुए, श्री वर्मा ने कहा कि उन्हें यकीन है कि सीपीपी-१ जल्द ही 62 मेगावाट के अगले लक्ष्य स्तर को प्राप्त करेगा। उन्होंने आगे कहा कि राउरकेला स्टील प्लांट को 2029 तक सबसे कम लागत वाला स्टील उत्पादक बनने का प्रयास करना चाहिए, और इस लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता और नवाचार के साथ काम करने के लिए सामूहिक रूप से आह्वान किया। उल्लेखनीय प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए, डीआईसी ने सीपीपी-1 सामूहिक को उनके टीम वर्क और समर्पण की सराहना करते हुए गुलदस्ते और मिठाई भेंट की। सभी कार्यपालक निदेशकों ने भी इस अवसर पर बात की और सामूहिक रूप से गति बनाए रखने और इस तरह के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, श्री महाप्रबंधक (सीपीपी-1), एन सी परिदा ने गणमान्य व्यक्तियों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने की यात्रा और अगली योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मुज़्य महाप्रबंधक (पावर), श्री दीपक रॉय ने प्रबंधन और संबद्ध विभागों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। विशेष रूप से, कैप्टिव पावर प्लांट विशिष्ट ऊर्जा और कोयले की खपत को कम करते हुए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे परिचालन दक्षता और लागत अनुकूलन में सुधार होता है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद करता है, ईएसजी सिद्धांतों और दीर्घकालिक स्थिरता लक्ष्यों के लिए आरएसपी की प्रतिबद्धता को भी मज़बूत करता है।